M.J.C. (Paper-3) Semester-3

Topic:- Pre-Historic Phase of India
"भारत का प्रागैतिहासिक काल"

परिभाषा:- जिस काल के बारे मे कोई लिखित प्रमाण उपलब्ध नही है, और जिसकी जानकारी हमें पुरातात्विक अवशेषों (औजार, गुफाएँ, हड्डियाँ, चित्र आदि) से मिलती है, उसे प्रागैतिहासिक काल कहते है।

भारत में इस काल का अध्ययन मुख्यतः पत्थर के औजारों के आधार पर किया गया है।

भारत मे प्रागैतिहासिक काल को मुख्यतः तीन चरणो में बाँटा गया है:—

1. पुरापाषाण काल (Paleolithic Age)
2. मध्यपाषाण काल (Mesolithic Age)
3. नवपाषाण काल (Neolithic Age)

* पुरापाषाण काल :—

Period:- ..... 5 लाख वर्ष ईसा पूर्व से 10,000 ईसा पूर्व

मानव का जीवन खानाबदोश जीवन था।
जीवनयापन शिकार और कंद-मूल पर आधारित था।
औजार अपरिष्कृत पत्थरों से बना हुआ था। गुफाओं और नदी घाटियों मे निवास स्थान था।

पत्थर के औजार के आधार पर पुरापाषाण काल को तीन भाग मे बाँटा गया है:—

1. निम्न पुरापाषाण काल
   - हस्तकुठार (Hand Axe), चॉपर
   - स्थल:- सोहन घाटी, नर्मदा घाटी

इसका मुख्यालय जिनेवा (स्विट्जरलैंड) में स्थापित किया गया।
प्रारंभ में इसके 42 सदस्य राष्ट्र थे।

उद्देश्य :—
लीग ऑफ नेशंस के प्रमुख उद्देश्य थे :—
* अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना। युद्ध को रोकना और विवादों का शांतिपूर्ण समाधान।
* निरस्त्रीकरण को बढ़ावा देना।
* अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करना।
* संधियों और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करना।

→ लीग ऑफ नेशंस के मुख्य अंग :—
1. महासभा (Assembly)
2. परिषद (Council)
3. सचिवालय (Secretariat)
4. स्थायी अंतरराष्ट्रीय न्यायालय
Permanent court of International Justice)

लीग ऑफ नेशंस का विचार अमेरिका ने दिया परन्तु अमेरिका इसका सदस्य नहीं बना। अमेरिकी सीनेट ने वर्साय संधि को मंजूरी नहीं दी, जिससे लीग कमजोर हो गई।
यह विश्व का पहला स्थायी अंतरराष्ट्रीय संगठन था इसी के अनुभवों के आधार पर बाद में संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) की स्थापना हुई।
लीग ऑफ नेशंस अंतरराष्ट्रीय शांति की दिशा में एक ऐतिहासिक प्रयास था। यद्यपि यह अपने उद्देश्यों में पूर्णतः सफल नहीं हो सका, फिर भी इसने वैश्विक सहयोग और सामूहिक सुरक्षा की अवधारणा को मजबूत आधार प्रदान किया।